

छत्रपति शाहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान “भागीदारी भवन” गोमती नगर, लखनऊ।

अतिथि प्रवक्ताओं के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाने हेतु विज्ञापन।

उ0प्र0शासन द्वारा छत्रपति शाहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, भागीदारी भवन, गोमती नगर, लखनऊ की स्थापना अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन एवं मेधावी अभ्यर्थियों को विभिन्न प्रशासनिक सेवाओं की परीक्षाओं के पूर्व निःशुल्क कोचिंग दिये जाने के उद्देश्य से की गयी है। उक्त संस्थान गोमती नगर में डा0 भीम राव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल के समीप स्थित है।

संस्थान में माह जुलाई 2025 से संचालित किये जाने वाले आई0ए0एस0/पी0सी0एस0 परीक्षा (प्रारम्भिक + मुख्य परीक्षा)-2025 के कोचिंग सत्र में संबंधित परीक्षा के नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा के विभिन्न विषयों (सा0अ0-इतिहास, भूगोल, सा0 हिन्दी, भा0 अर्थव्यवस्था, भा0 राजव्यवस्था, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, पर्यावरण परिस्थितिकी/जैव विविधता, समसामयिकी/उ0प्र0 विशेष, गणित, सामाजिक मुद्दे, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, निर्णयन क्षमता, रीजनिंग, अंग्रेजी आदि) में व्याख्यान हेतु अनुभवी तथा प्रोफेशनल अतिथि प्रवक्ताओं की आवश्यकता है।

संस्थान में व्याख्यान हेतु इच्छुक व्यक्ति, जो निम्न योग्यता/षर्तें पूर्ण करते हो, के आवेदन पत्र निम्न प्रारूप पर दिनांक: 25 जून 2025 तक आमंत्रित किये जाते हैं।

वांछनीय योग्यता

- 1- प्रतिष्ठित निजी कोचिंग संस्थानों से ऐसे अनुभवी व्याख्याता जिन्हें न्यूनतम 03 वर्ष का अनुभव हो तथा जिन्होंने संबंधित विषय में परास्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। (नेट/जे0आर0एफ0 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को वरीयता प्रदान की जायेगी)
- 2- विश्वविद्यालय, शासकीय अथवा अनुदानित डिग्री कॉलेज में सक्षम आयोग द्वारा विधिवत रूप से सहायक प्राध्यापक या अधिक स्तर पर चयनित (कार्यरत अथवा सेवा निवृत्त)
- 3- नेट/जे0आर0एफ0 उत्तीर्ण राज्य/केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में पी0एच0डी0 करने वाले अभ्यर्थी।

4— विगत 05 वर्षों में (वर्ष 2020 से) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा मुख्य परीक्षा/उत्तर प्रदेश प्रान्तीय सिविल सेवा मुख्य परीक्षा न्यूनतम 02 बार उत्तीर्ण की हो।

शर्तें

- 1— चयनित अतिथि प्रवक्ताओं को दिये गये टॉपिक/विषय पर परीक्षण व्याख्यान देना होगा। व्याख्यान पर छात्रों के फीड बैक के आधार पर निदेशक द्वारा चयन के संबंध में अंतिम निर्णय लिया जायेगा।
- 2— सामान्यतः किसी भी चयनित प्रवक्ता को तीन सत्र से अधिक अध्यापन का अवसर नहीं दिया जायेगा, तथापि असाधारण परिणाम (Exceptional Result) देने वाले अतिथि प्रवक्ता को निदेशक के निर्णय के आधार पर अध्यापन हेतु आगे भी अवसर दिया जा सकता है।
- 3— प्रत्येक सत्र के उपरान्त प्रवक्ता के समग्र मूल्यांकन के आधार पर उसे आगामी सत्र में अध्यापन का अवसर दिया जायेगा।
- 4— आवेदकों में व्यवसायिक कौशल (Professional Aptitude) के साथ-साथ सामाजिक उपयुक्तता (Social Aptitude) भी होनी चाहिये। संस्थान में अध्यापन कार्य हेतु उच्च चारित्रिक एवं नैतिक मूल्यों (Strong Moral & Ethical Values) का होना अति आवश्यक है।
- 5— संस्थान में व्याख्यान के लिये आमंत्रित किये जाने वाले अतिथि प्रवक्ताओं को समय-समय पर शासन द्वारा निर्धारित दर के अनुसार मानदेय का भुगतान किया जायेगा।
- 6— चयनित अतिथि प्रवक्ताओं को संस्थान की "अतिथि प्रवक्ता आचार संहिता" का पालन करना होगा।
- 7— आवेदन पत्र का प्रारूप विभागीय वेबसाइट www.bhagidaribhawan.in पर उपलब्ध रहेगा तथा कार्यालय समय में संस्थान से भी प्राप्त किया जा सकता है।

संस्थान में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु फोन/मोबाइल के माध्यम से बुलाया जायेगा। अलग से कोई बुलावा पत्र आदि नहीं भेजा जायेगा। आवेदन पत्र केवल निर्धारित प्रारूप पर ही स्वीकार किये जायेंगे। आवेदन पत्र के साथ समस्त आवश्यक अभिलेख (अंक पत्र, प्रमाण पत्र, अनुभव आदि) की छाया प्रति संलग्न करना आवश्यक है।

इच्छुक आवेदक संस्थान में किसी भी कार्य दिवस में (कार्यालय समय— प्रातः 10:00 से 5:00 बजे के मध्य) सम्पर्क कर आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरकर अधिकृत कर्मचारी के पास जमा कर सकते हैं अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से निम्न पते पर भेज सकते हैं।

नोट—

- 1— साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले अतिथि प्रवक्ताओं को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किये जाने की बाध्यता नहीं है।
- 2— चयनित अतिथि प्रवक्ताओं को संस्थान की आवश्यकतानुसार आमंत्रित किया जाता है।
- 3— साक्षात्कार में सम्मिलित होने के लिये किसी प्रकार का यात्रा भत्ता/अन्य भत्ता नहीं दिया जायेगा।

संयुक्त निदेशक

आवेदन पत्र भेजने का पता—

संयुक्त निदेशक,
छत्रपति षाहू जी महाराज षोध एवं प्रषिक्षण संस्थान,
भागीदारी भवन, गोमती नगर, लखनऊ—226010
(निकट सामाजिक परिवर्तन स्थल)